Sh.

98

पी.एं. 4207 - (32)

बृहद जातक (गुरुमुखी लिपि)

ज्योतिष

6- अपूर्ण

05

[illegible]

05

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] मन्त्रैर्वीरवन्दन [illegible] ॥ श्रीमद् [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] क्रियाः समाप्ता ॥ शुभं